प्रवासी भारतीय दिवस तथा विश्व हिंदी दिवस समारोह (भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, अस्ताना, 9 जनवरी, 2018) के अवसर पर भारत के राजदूत श्री प्रभात कुमार का भाषण

प्रिय मित्रों,

मैं आपका नया राजदूत हूँ और मेरी आप सबसे यह पहली औपचारिक मुलाकात है । आप सब को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें । मुझे आप सब लोगों का 'प्रवासी भारतीय दिवस' तथा 'विश्व हिंदी दिवस' समारोह के उपलक्ष्य मे स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है । 'विश्व हिंदी दिवस' प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है । सुविधा वश हम इस दिवस को "प्रवासी भारतीय दिवस" के साथ आज मना रहे हैं ।

'प्रवासी भारतीय दिवस' प्रत्येक वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय समुदाय के भारत के विकास में योगदान के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से मनाया जाता है । यह दिवस महात्मा गाँधी के दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी, 1915 को भारत वापिसी के उपलक्ष्य में भी मनाया जाता है ।

इस वर्ष 'आसिआन - भारत' साझेदारी ('ASEAN-INDIA' Partnership) की 25 वीं वर्षगांठ है । यह साझेदारी सैकड़ों- वर्ष पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक तथा मानव संबंध, जो प्राचीन व्यापारिक मार्ग द्वारा निम्नित हैं, पर आधारित हैं । 'प्रवासी भारतीय दिवस 2018' को इसलिए '**प्राचीन मार्ग, नई यात्रा : गतिशील आसिआन - भारत साझेदारी में डायस्पोरा**' (**Ancient Route, New Journey: Diaspora in the Dynamic ASEAN INDIA Partnership**) का शीर्षक दिया गया । इसका आयोजन सिंगापुर (जो की केवल न केवल भारत का पूर्व का प्रवेशद्वार है बल्कि '**आसिआन**' का हृदय भी है) में 6 तथा 7 जनवरी, 2018 को किया गया |

हम आप की आधार कार्ड को भारत मेँ विभिन्न सेवाओं से लिंक करने से सम्बंधित समस्यायों से अवगत हैं । इस संबंध मेंs मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा कि इम्प्लीमेंटिंग संस्थाओं को भारत सरकार ने दिशा निर्देश जारी किये गए हैं कि वे NRIs /OCIs के मामलों मेँ वैकल्पिक तरीके निकालें ।

मुझे यह घोषणा करते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि दूतावास चंपारन सत्याग्रह की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 10 -16 अप्रैल, 2018 के मध्य में एक प्रश्न - प्रतियोगिता का आयोजन करेगी । इस प्रतियोगिता का विस्तृत - विवरण प्राप्त होते ही इसको दूतावास के वेब तथा फेसबुक पेज पर प्रकशित कर दिया जायेगा ।

मैं इस अवसर पर आपको तथा आपके परिवार के सदस्यों जो की आपके साथ कजाखस्तान में रह रहें हैं का दूतावास में रजिस्टर करने के महत्व को उजागर करना चाहूंगा। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि आप दूतावास की वेबसाइट में जाएं तथा online रजिस्टर करें। इस तरह से रजिस्टर करने में हम न केवल मुसीबत के वक्त आप की मदद शीघ्रता कर सकेंगे अपितु आपको दूतावास तथा सांस्कृतिक केंद्र के कार्यक्रमों की भी जानकारी प्रदान कर पायेंगे ।

जैसा की आप जानते हो कि मैने कुछ समय पहले ही राजदूत का कार्यभार ग्रहण किया है । मैं दूतावास के कार्यकलापों मैं आपके सहयोग तथा समर्थन की अपेक्षा करता हूँ । हम सब आपसी सहयोग से डायस्पोरा के संबंधों को और प्रगाढ़ करें तथा भारत-कज़ाख़स्तान के संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं ।

विश्व में हिंदी को प्रचारित-प्रसारित करने के उधेश्य से प्रथम विश्व हिंदी सम्मलेन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर (भारत) में आयोजित किया गया था । भारत सरकार ने इस दिन को यादगार बनाने के लिए तथा विश्व में हिंदी को प्रचारित करने के उद्देश्य से वर्ष 2006 में 10 जनवरी को प्रत्येक वर्ष विश्व हिन्द दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया ।

इस अवसर पर हमें प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक सन्देश प्राप्त हुआ है । इस सन्देश को मैं आप के सम्मुख प्रस्तुत करना चाहूंगा :-

" यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विदेश मंत्रालय तथा विदेश स्थित सभी भारतीय दूतावासों द्वारा प्रत्येक वर्ष दस जनवरी का दिन विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई ।

हिंदी, अपने गौरवशाली इतिहास के साथ, वैश्विक मंच पर आज एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है । विश्व के विविध देशों में हिंदी सिखने में निरंतर रुचि बढ़ रही है । आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में तकनीक और सूचना प्रद्योगिकी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

मुझे पूरा विश्वास है कि अंतराष्ट्रीय पटल पर भारत कि बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में भी और अधिक गति आएगी ।

सभी हिंदी प्रेमियों तथा हिंदी भाषियों को शुभकामनाएं देते हुए में आशा करता हूँ कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में आप सब और अधिक समर्पित भाव से कार्य करें । "

हिंदी एक सरल भाषा है । भारत के अलावा कई अन्य देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है । दक्षिण एशिया में अधिकतर लोग इसे संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं । विश्व के अन्य हिस्से जहां दक्षिण एशिया के मूल निवासी अधिक संख्या में रहते हैं वहां वहां भी हिंदी भाषा भी प्रचलित है । ऐसा अनुमान है कि हिंदी विश्व में तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है । भारवासियों के अलावा, भारत में दिलचस्पी रखने वाले दूसरे देशों के नागरिक भी हिंदी का अध्यन करते हैं ।

प्रवासी भारतीयों में हज़ारों लोग हिंदी के विकास में संग्लन है । भारतवंशी देशों मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी एव त्रिनिदाद एव टुबैगो जैसे देशों में हिंदी के प्रति दीवानापन है । आज हिंदी की स्थिति विश्व्यापी है । वह संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनने के लिए प्रयासरत है ।

मुझे अत्यन्त ख़ुशी है की हिंदी भाषा का अध्ययन कजाखस्तान में भी किया जा रहा है । हिंदी भाषा अलफराबी विश्वविद्यालय, भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र तथा इंचेमब द्वारा अलमाटी में पढ़ाई जाती है ।

वर्ष 2016 में अलफराबी विश्वविद्यालय, अलमाटी की मदद से हमने हिंदी-कजाख-हिंदी भाषा का पहला शब्दकोष प्रकाशित किया । इससे भारत में कजाख भाषा और कजाखस्तान में हिंदी भाषा के अध्यन करने में बहुत मदद मिलेगी । आपको यह जानकर बहुत आश्चर्य होगा कि हिंदी और कजाख भाषाओं में बहुत सारे शब्द समान हैं । हम लगबग ऐसे 200 शब्दों को ढूंढ

निकालने में सफल हुए हैं । यह हमारे नजदीक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती है ।

विश्व में हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2008 में मॉरीशस में हिंदी सचिवालय का गठन किया गया । इसका उदेश्य हिंदी को अंतराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करना है । विश्व में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में विश्व हिंदी सम्मेलनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । अब तक विश्व के विभिन्न देशों में दस विश्व हिंदी सम्मलेन आयोजित किये जा चुके हैं । सितंबर 2015 में भोपाल (भारत) में 10वां विश्व हिन्द सम्मलेन का अयोजन किया गया । 11वां विश्व हिंदी सम्मलेन का आयोजन इस वर्ष मॉरीशस में किया जाना है।

पिछले कुछ वर्षों से विश्व हिंदी दिवस का आयोजन कजाखस्तान में किया जा रहा है । इसमें आप सब का योगदान सराहनीय रहा है ।

धन्यवाद ।